अरे यह सरकारी स्कूल है। कांवेंट में यह दम कहां !

Written by नवनीत मिश्र
Monday, 11 December 2017 02:48

: एक प्रधानाध्यापक ने किस्मत बदल डाली छात्र , विद्यालय , शैक्षिक माहौल और पूरी शिक्षा के मकसद की : निहारिये जरा सम्भल के इस फाइव स्टार कॉन्वेंट से भी चमकीला इस सरकारी स्कूल को : अब नयी कहावत बदल दी कपिल मलिक ने कि जाट जिये तब मानिये , जब शिक्षा चमक जाए :

प्राथमिक विद्यालय इटायला माफी
आपका स्वागत करता है।

नवनीत मिश्र

सम्भल :आंखें तरस गईं थीं किसी सरकारी स्कूल की इतनी खूबसूरती के दीदार को। आज सोशल मीडिया के किसी कोने में वायरल हो रहीं इन तस्वीरें पर नजर पड़ीं तो चौंक गया। सोचा, क्या पंचसितारा कॉन्वेंट स्कूलों की भी चमक को फीकी कर देने वाले ऐसे सरकारी स्कूल हो सकते हैं। हमें लगा कि कहीं ये फोटोशॉप का कमाल तो नहीं। गूगल पर स्कूल का नाम डाला तो पता चला कि स्कूल की तस्वीरें सही हैं। कई खबरों में इस स्कूल और प्रधानाध्यापक का गुणगान किया गया है।

ये तस्वीरें अपने यूपी के ही एक सरकारी स्कूल की हैं। फटेहाल सरकारी स्कूलों के इस दौर में इतने सजे-संवरे स्कूल कल्पना से परे हैं। मगर एक कर्तव्यनिष्ठ प्रधानाध्यापक ने अपनी जिद/ जुनून और कर्मठता से सरकारी स्कूल को कान्वेंट से भी ज्यादा चमकीला बना दिया। ये तस्वीरे हैं संभल जिले के प्राथमिक विद्यालय इटायला माफी की। विद्यालय के इस स्वरूप के शिल्पी हैं खुद प्रधानाध्यापक कपिल मलिक। जिन्होंने जेब से पैसा लगाकर इस विद्यालय को इतना खूबसूरत बना दिया। वो भी बड़े ही खामोशी के साथ।

काश , सरकारी कोशिशें प्राथमिक विद्यालयों के सुधार पर केंद्रित होतीं। सरकारी स्कूलों से जुड़ी खबरों को देखने के लिए निम्न लिंक पर क्लिक कीजिए :-

सरकार स्कूल

1 / 2

और हां, यह स्कूल सिर्फ देखने में ही सुंदर नहीं है, बल्कि यहां पढ़ाई-लिखाई भी □ कनंबर की है□ स्कूल में कक्षा तीन से पांच तक के बच्चों को प्रत्येक दिन □ कघंटे कम्प्यूटर की शिक्षा दी जाती है□ वहीं बच्चों को पढ़ाने के लि□ चाक और ब्लैकबोर्ड का इस्तेमाल नहीं किया जाता□ बल्कि उसके स्थान पर व्हाइट बोर्ड और मार्कर का इस्तेमाल किया जा रहा है□ जिससे बच्चे आसानी उसे समझ सकें□ इतना ही नहीं बिजली न आने पर भी बच्चों को गर्मी नहीं लगती□ क्योंकि प्रधानाचार्य ने इसके लि□ स्कूल में सोलर लाइट लगवा रखी और स्कूल के सभी पंखे इसी लाइट से चलते है□

स्कूल के गुणगान की खबर मिलने पर जब पिछले साल बी□ स□ यहां पहुंचे तो वे भी चौंक ग□□ प्रधानाध्यापक के काम काज से प्रभावित बी□ स□ की संस्तुति पर डी□ म ने स्कूल के लि□ □ कलाख रुपये की आर्थिक मदद भी स्वीकृत की□ ऐसे दौर में जब ग्राम प्रधान के साथ मिलकर बच्चों का मिड-डे-मील भी खा जाने के आरोप सरकारी शिक्षकों पर लगते है तब ऐसे प्रधानाध्यापक के सामने सिर झुकाने का मन करता है□ सैल्यूट कि□ मलिक साहब□

सरकार को चाहि□ कि कि□ मलिक को बेसिक शिक्षा परिषद का ब्रांड □ बेसडर बना□□ इससे उनका जहां मनोबल बढ़ेगा, वहीं हजारों शिक्षक अपने-अपने स्कूलों को इसी तरह चमकाने के लि□ प्रेरित होंगे□